भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
मौखिक प्रश्न संख्या : 400
गुरुवार, 19 मार्च, 2026/28 फाल्गुन, 1948 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

असेवित विमानपत्तनों को कार्यशील बनाया जाना

***400. डॉ. मन्ना लाल रावतः**
डॉ. राजेश मिश्राः

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने वर्ष 2026 की शुरुआत तक सौ असेवित या अल्प-सेवित विमानपत्तनों को कार्यशील बनाने का लक्ष्य हासिल कर लिया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) 'उड़े देश का आम नागरिक' (उड़ान) योजना के तहत असेवित या अल्प-सेवित विमानपत्तनों के विस्तार के अगले चरण के लिए तैयार की गई रूपरेखा और निर्धारित लक्ष्य क्या हैं तथा इस संबंध में तय की गई समय-सीमा और प्रस्तावित स्थानों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या वित्तीय वर्ष 2026-27 के दौरान उड़ान योजना के लिए बढ़े हुए बजटीय आवंटन का उपयोग नालंदा जिले के पर्यटन शहर राजगीर के लिए करने का प्रस्ताव है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) देश में अंतिम छोर तक हवाई संपर्क का विस्तार करने के लिए उक्त बढ़े हुए बजटीय आवंटन का उपयोग राजस्थान, उत्तर-पूर्वी क्षेत्र और मध्य प्रदेश सहित राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार किस प्रकार किए जाने की संभावना है; और

(ङ) क्या सरकार ने द्वीपों और तटीय राज्यों में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सीप्लेन संबंधी व्यवहार्यता अंतराल के वित्तपोषण (वीजीएफ) को अंतिम रूप दे दिया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

नागर विमानन मंत्री (श्री किंजरापु राममोहन नायडू)

(क) से (ङ): विवरण सदन के पटल पर रखा गया है।

"असेवित विमानपत्तनों को कार्यशील बनाया जाना" के संबंध में डॉ. मन्ना लाल रावत और डॉ. राजेश मिश्रा द्वारा पूछे गए दिनांक 19.03.2026 के लोक सभा मौखिक प्रश्न संख्या 400 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर में संदर्भित विवरण

(क) से (घ): क्षेत्रीय संपर्क योजना – उड़ान के तहत, दिनांक 28.02.2026 तक, 95 असेवित और अल्पसेवित हवाईअड्डों (17 हेलीपोर्टों और 2 वॉटर एयरोड्रोमों सहित) को जोड़ने वाले 663 मार्गों को कार्यशील किया गया है।

क्षेत्रीय हवाई संपर्क को और सुदृढ़ करने और बढ़ाने के लिए सरकार ने अगले 10 वर्षों में 4 करोड़ यात्रियों को सेवा प्रदान करने हेतु देशभर में 120 नए गंतव्यों तक क्षेत्रीय संपर्क बढ़ाने के लिए संशोधित 'उड़ान' योजना आरंभ करने की घोषणा की है। यह योजना पर्वतीय, आकांक्षी और पूर्वोत्तर क्षेत्र के जिलों में हेलीपैडों और छोटे हवाईअड्डों को भी सहयोग प्रदान करेगी। यह योजना वर्तमान में अनुमोदन स्तर पर है।

नालंदा जिले में राजगीर 'उड़ान' योजना के तहत असेवित हवाईपट्टियों की सूची में उपलब्ध नहीं है। 'असेवित/अल्पसेवित हवाईअड्डों का पुनरुद्धार' योजना के तहत, आरसीएस उड़ानों के परिचालन के लिए 'उड़ान' योजना के तहत बोली प्रक्रिया के चरणों में चिह्नित किए जाने पर विकास हेतु केवल मौजूदा हवाईपट्टियों पर विचार किया जाता है। तथापि, बिहार सरकार (जीओबी) ने जनवरी, 2025 में राजगीर में ग्रीनफील्ड हवाईअड्डे की स्थापना के लिए 'साइट क्लीयरेंस' की मांग करते हुए प्रस्ताव प्रस्तुत किया था। इस प्रस्ताव को कुछ टिप्पणियों के साथ वापस कर दिया गया था जिसमें बिहार सरकार से अपेक्षित दस्तावेजों के साथ विधिवत भरा हुआ आवेदन प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था।

(ङ): केंद्रीय बजट 2026-27 में, सरकार ने सीप्लेन परिचालन हेतु सहायता प्रदान करने के लिए सीप्लेन वीजीएफ योजना को आरंभ करने की घोषणा की है। यह योजना वर्तमान में सूत्रीकरण चरण पर है।

******